केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 258 बुधवार 10 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

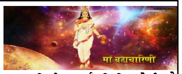

ब्रह्मचारिणीः सर्व सिद्धि देती हैं मां दुर्गा की दूसरी शक्ति...

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू। देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है।

ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए है।

पूर्वजन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात्‌ ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया गया। एक हजार वर्ष तक इन्होंने केवल फल–फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया।

कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने सूखे बिल्व पत्र खाना भी छोड़ दिए। कई हजार वर्षों तक निर्जल और निराहार रह कर तपस्या करती रहीं। पत्तों को खाना छोड़ देने के कारण ही इनका नाम अपर्णा नाम पड़ गया।

कठिन तपस्या के कारण देवी का शरीर एकदम क्षीण हो गया। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ने ब्रह्मचारिणी की तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताया, सराहना की और कहा– हे देवी आज तक किसी ने इस तरह की कठोर तपस्या नहीं की। यह तुम्हीं से ही संभव थी। तुम्हारी मनोकामना परिपूर्ण होगी और भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे।

एक नजर

डीएम की निगरानी में गेहूं की कटाई

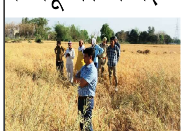

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रबी वर्ष 2023–24 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत तहसील बस्ती सदर के राजस्व ग्राम, रमवापुर पाठक में जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने अपने निरीक्षण में गेहूँ की कटाई कराया। 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में कुल 16.110 किग्रा. गेहूँ पैदा हुआ। इस प्रकार से औसत उपज 37 कुन्तल प्रति हेक्टेयर अनुमानित किया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, नायब तहसीलदार धीरज सिंह, अपर सांख्यिकी अधिकारी अजय कुमार चौधरी, राजस्व निरीक्षक भगवान तिवारी, लेखपाल अल्का निषाद एवं ग्राम प्रधान प्रेमराज उपस्थित रहे।

कपड़े की दुकान में लगी आग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

लालगंज (बस्ती)। नगर पंचायत बनकटी वार्ड नंबर 8 लक्ष्मीबाई नगर में देईसांड़ बाजार में पवन वस्त्रालय में भयंकर आग से लाखों का नुकसान हो गया। अग्नि शमन की दो गाड़ियां से किसी प्रकार से आग पर काबू पाया गया।

चीन के नाम बदलने से जमीनी हकीकत नहीं बदलती–राजनाथ सिंह

नामसाई (आभा) । आगामी चुनावों से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश के नामसाई में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। यहां उन्होंने अरुणाचल प्रदेश पूर्वी निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार तापिर गाओ के समर्थन में रोड शो किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों का नाम बदलने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अगर भारत ने भी इसी तरह के प्रयास किए, तो क्या इसका मतलब यह होगा कि चीन के वे क्षेत्र हमारे क्षेत्र का हिस्सा बन गए हैं। मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के नामसाई इलाके में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं चीन से पूछना चाहता हूं कि अगर हम पड़ोसी देश के विभिन्न राज्यों के नाम बदल देंगे, तो क्या वे हमारे क्षेत्र के हिस्से होंगे? ऐसी गतिविधियों के कारण संबंध खराब हो रहे हैं। भारत और चीन के बीच रिश्ते बिगड़ेंगे।

पिछले हफ्ते चीन ने अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास विभिन्न स्थानों के 30 नए नामों की एक सूची जारी की थी। पहले भी चीन पूर्वोत्तर राज्य पर अपना दावा जताने के लिए इसी तरह की कोशिशें कर चुका है। राजनाथ सिंह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में 30 स्थानों के नाम बदलने के चीन के कदम से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम अपने सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं।

स्कूल चलो अभियान के लिये निकली जागरूकता रैली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बहादुरपुर, बस्ती। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगर बाजार व प्राथमिक विद्यालय नगर बाजार से संयुक्त रूप से स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों ने जागरूकता रैली निकाली। प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लाक अध्यक्ष बहादुरपुर डॉ प्रमोद सिंह के संयोजन में मंगलवार को आयोजित जागरूकता रैली को खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए बच्चों और अभिभावकों को प्रेरित किया गया।

स्कूल चलो अभियान रैली में परिषदीय स्कूल के बच्चे तख्ती पर लिखे स्लोगन आधी रोटी खायेंगे, स्कूल जरूर जाएंगे, दीप से दीप जलाएंगे, साक्षर देश बनाएंगे, हम भी स्कूल जाएंगे, पापा मम्मी का मान बढ़ाएंगे, हम बच्चों का नारा है, शिक्षा अधिकार हमारा है, मम्मी पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल में जाकर नाम लिखाओ, शिक्षा ऐसी सीढ़ी है, जिससे चलती पीढ़ी है आदि नारों के साथ बोलते हुए पूरे कस्बे में भ्रमण किया और अभिभावकों का ध्यान आकृष्ट किया।

रैली का शुभारंभ करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को बेहतर ढंग से शिक्षा देना शासन की प्राथमिकता है। स्कूल चलो अभियान के तहत परिषदीय विद्यालयों में अधिक से अधिक नामांकन का लक्ष्य है। आवाहन किया कि अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में करायें। इस दौरान बीईओ ने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर दिया व साथ ही निपुण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया।

प्राथमिक शिक्षक संघ बहादुरपुर ब्लाक अध्यक्ष डॉ प्रमोद सिंह ने कहा कि शिक्षा एकमात्र साधन है जो प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन का कारण बन शक्ति देता है। शिक्षा ही वास्तव में प्रत्येक नागरिक को एक सही दिशा दे सकती है। परिषदीय विद्यालयों में नई तकनीक से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। जहां शिक्षा का बेहतर माहौल के साथ ही अच्छी शिक्षा दी जा रही है। सरकार भी सभी बच्चों की शिक्षा को लेकर गंभीर है।

आयोजित रैली के दौरान एआरपी मनोज उपाध्याय, अम्बिका पाण्डेय, दिव्या केसरवानी, रीता यादव, मनीषा तिवारी, कीर्ति गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, शिवमूर्ति, राघवेंद्र, सुनील, अंजू यादव, मुकेश, अलका रानी, इंदू, संजय, सरोज, सुनीता व सैलजा सिंह सहित बड़ी संख्या में परिषदीय स्कूल की छात्र छात्राएं शामिल रहीं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली (आभा)। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह और उनकी पत्नी प्रेमलता सिंह की घर वापसी हो गई है। मंगलवार को नई दिल्ली में दोनों नेता भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में शामिल हो गए। 2014 में बीरेंद्र सिंह ने बीजेपी ज्वाइन कर ली थी। पीएम मोदी के पहले कार्यकाल में वह इस्पात मंत्री और ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री थे। उनके बेटे, बृजेंद्र सिंह, जो हिसार से बीजेपी के सांसद थे, उन्होंने पिछले महीने ही भाजपा और लोकसभा दोनों से इस्तीफा दे दिया था और कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे।

नई दिल्ली में कांग्रेस में वापसी के बाद चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा, मेरा कांग्रेस में शामिल होना न सिर्फ घर वापसी है, बल्कि ये विचारधारा की वापसी भी है। मैं ये बात इसलिए कह रहा हूं– क्योंकि मैंने मान्यताओं को निभाया है। देश में नेताओं के लिए व्यावहारिक रूप से कुछ गरिमा व मान्यताएं हैं, जिन्हें निभाना चाहिए क्योंकि मान्यताओं को निभाने से ही हमारा देश मजबूत होगा।

बीरेंद्र सिंह ने कहा कि जब मैंने कहा कि मैं कांग्रेस में जाकर अपनी बात कहूं तो जयराम रमेश जी से पहली बार संपर्क हुआ। जब मैंने जिक्र किया तो उनके शब्द थे, जिसकी जरूरत इस देश की पॉलिटिक्स में है। उन्होंने कहा कि आप बेशक विपक्ष में रहे हैं लेकिन आपकी मौजूदगी बीजेपी में मर्यादित रही। आपने किसी पार्टी के बारे में छोटी बात नहीं की।

दारू की दूकान पर सवालिया निशान.?

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

लालगंज (बस्ती)। लालगंज थानाक्षेत्र के डूड़ी स्थित सड़क किनारे एक मकान में शराब की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है, मकान के सामने आबकारी विभाग द्वारा जारी लाइसेंस नम्बर का एक बोर्ड लगाया हुआ है, लेकिन जारी हुए लाइसेंस का पता डूड़ी के स्थान पर हथियाँव लिखा हुआ है । ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से आये दिन विभागीय जिम्मेदार स्टॉक निरीक्षण करने शराब की दुकानों पर आते जाते रहते हैं लेकिन इस दुकान पर किसी जिम्मेदार अफसर की नजर क्यों नहीं पड़ी । क्या यह दुकान नियमानुसार संचालित है या इसे नजरअंदाज किया जा रहा है । लालगंज कस्बे से कुदरहा को जाने वाले मार्ग पर स्थित डूड़ी में कई वर्षों से सरकारी देशी शराब की बिक्री एक मकान से चल रही है, जबकि आबकारी विभाग के जिम्मेदार डूड़ी में चल रहे इस दुकान के लाइसेंस के बारे में कुछ भी कहने से किनारा कर रहे हैं । क्षेत्र की मीना, सीमा देवी,राधिका,अवन्तिका, सत्यभामा, शोभावती आदि महिलाओं ने एक स्वर में डूड़ी में चल रही शराब की दुकान हटवाने की मांग की है ।

इस संबंध में आबकारी निरीक्षक सुनील त्यागी ने बताया कि यहां शराब की दुकान वर्षों से संचालित है लेकिन यहां क्यों चल रहा है इसकी जानकारी देने से किनारा करने लगे । वहीं जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि लाइसेंस जारी होने के पते से हटकर 1 किलोमीटर की दूरी पर भी दुकान संचालित करना नियम विरुद्ध है । जांच की जाएगी यदि ऐसा है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी ।

अभी जेल में ही रहेंगे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। हाई कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज हो गई है। अदालत में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अपना फैसला सुनाया है।जज ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि ये अर्जी जमानत के लिए नहीं है बल्कि अपनी केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने के लिए याचिका लगाई थी। अदालत ने कहा है कि ईडी ने जो सबूत जुटाए हैं उससे पता चल रहा है कि अरविंद केजरीवाल इस मामले में शामिल रहे हैं। अदालत ने कहा है कि सबूतों से पता चल रहा है कि रिश्वत कांड में केजरीवाल की सक्रिय भूमिका रही है। उन्हें रिश्वत लेने के बारे में पता था।

केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सरकारी गवाहों पर संदेह व्यक्त किया था। इस पर अदालत ने कहा है कि मजिस्ट्रेट के सामने सरकारी गवाहों के बयान बयान दर्ज किए गए थे इसलिए उनके बयान की अहमियत है। अदालत ने आगे कहा है कि कानून सबके लिए बराबर है। कोर्ट किसी सीएम के लिए अलग से कानून नहीं बनाया जा सकता है। हाई कोर्ट ने कहा कि अप्रूवर पर कानून 100 साल पुराना है।

जो ज्ञान में रत है, वही भारत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । भारत शब्द आते ही लोगों को यह बोध हो जाता है कि जो ज्ञान में रत है वहीं भारत है। यदि भारत को जानना है तो भारत की परंपरा को जानना पड़ेगा।

उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बस्ती नगर द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग बस्ती में आयोजित वर्ष प्रतिपदा उत्सव एवं एकत्रीकरण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सुरजीत जी सह प्रांत प्रचारक गोरक्ष प्रांत ने कही। उन्होंने कहा कि मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, वसुधैव कुटुंबकम, कृणवन्तो विश्वमार्यम यह हमारी संस्कृति है।

कार्यक्रम में मंच पर नरेंद्र भाटिया विभाग संचालक एवं पवन तुलस्यान जिला संघचालक की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में मुख्य शिक्षक अभिनव जी रहे। एकल गीत सुधांशु , गणगीत आशीष श्रीवास्तव, अमृत वचन नीरज सिंह प्रार्थना वायु नंदन जी के द्वारा कराया गया।

इस अवसर पर सह जिला संचालक प्रमोद , विभाग प्रचारक अजय नारायण, विभाग कार्यवाह आशीष जिला प्रचारक अभय, जिला कार्यवाह श्री राम सह जिला कार्यवाह गिरिजा बख्स जी, नगर कार्यवाह धर्मराज , सुभाष शुक्ल हरीश, जिला बौद्धिक प्रमुख राजेश, प्रांत गौ सेवा प्रमुख अखिलेश, गोविंद सिंह , भानु प्रकाश, कुंवर नागेन्द्र प्रताप वीरेंद्र रंजीत, मोतीलाल , सर्वेश, भवानी प्रसाद, राहुल शुक्ला, सूरज, सत्य प्रकाश सिंह, श्रवण सिंह , चन्द्रप्रकाश त्रिपाठी जी, दिनेश जी, संतोष सिंह जी, आशीष श्रीवास्तव, आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राजेन्द्र नाथ तिवारी , राना दिनेश प्रताप सिंह , नगपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा सहित अन्य विशिष्ट जनों की उपस्थित रही।

भाजपा किसान मोर्चा की बैठक में बनी लोकसभा चुनाव की रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला कार्यसमिति का परिचयात्मक बैठक जिलाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय के संयोजन में सम्पन्न हुई। बैठक में लोकसभा के चुनाव में किसान मोर्चा की भूमिका और केन्द्र, प्रदेश सरकार द्वारा लागू किये गये कल्याणकारी योजनाओं से लोगों को परिचित कराने, बूथ स्तर के तैयारियों की पुर्न समीक्षा का निर्णय लिया गया।

भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष गोपेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि केन्द्र में भाजपा तीसरी बार व्यापक जन समर्थन के साथ सरकार बनायेगी और नरेन्द्र मोदी पुनः प्रधानमंत्री होंगे। इसके लिये कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए जुट जाय।

भाजपा लोकसभा प्रभारी सेतभान राय ने कार्यकर्ताओं को दायित्व बोध कराया। संयोजक के. डी. चौधरी, रामानन्द 'नन्हे, सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' , आत्मा राम पाठक, राधेश्याम कमलापुरी, आत्मा प्रसाद पाठक, अरूण भारती, प्रदीप द्विवेदी, आदि ने कहा कि भाजपा किसान मोर्चा के समक्ष बड़ा दायित्व है। विजय के लक्ष्य के लिये सामूहिक प्रयास परस्पर समन्वय से करना होगा।

यह जानकारी देते हुये भाजपा किसान मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी अजीत शुक्ल ने बताया कि कार्यक्रम में लोकसभा, विधानसभा और मण्डल प्रभारी घोषित करने के साथ ही उन्हें दायित्व सौंपा गया। कार्यक्रम में विमल पाण्डेय ,दिग्विजय सिंह ,वरूण पाण्डेय ,संदीप पाण्डेय, रविचन्द पाण्डेय, मनोज सिंह, अंकित पाण्डेय, अरूण कुमार, रजनीश चौधरी, पवन वर्मा, उमाकान्त, अविनाथ श्रीवास्तव, लवकुश, वशिष्ठ मुनि, प्रिन्स जायसवाल, शिवगिरी, हरिश्चन्द्र, गिरजेश कसौधन विजय पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, अरूण चौधरी के साथ ही भाजपा किसान मोर्चा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हवन, यज्ञ के साथ किया नव सम्वत का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नव सम्वत स्वागत समारोह 2081 के कार्यक्रम अंतर्गत सनातन धर्म संस्था–बस्ती ने जिले के नगरीय क्षेत्र में 7 स्थानों पर यज्ञ का आयोजन किया गया। मंगलवार को प्रातः काल से शहर के गांधीनगर, जेल रोड, मालवीय रोड पर नव सम्वतसर की मंगलकामनाएं व राष्ट्र के कल्याण के लिए स्वस्ति वाचन के स्वर गूँजते सुनाई दिये।

सनातन धर्म संस्था की ओर से शहर के श्री शिव मंदिर कम्पनी बाग पर पंच कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमे विभिन्न विद्यालयों के बच्चों व स्थानीय लोगों द्वारा यज्ञ में आहुतियां दी गई।

संस्था के सदस्य अखिलेश दूबे द्वारा बच्चों को यज्ञ की वैज्ञानिकता, नव सम्वतसर का महत्व, राष्ट्र व धर्म के प्रति हमारे कर्तव्य,कालगणना की वैज्ञानिकता बताई गई। उन्होंने कहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ छोड़कर दूसरे का नकली उत्सव मनाने लगे हैं, हमें अपने धर्म, देश और संस्कृति पर गर्व करना चाहिये और इसकी रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहना चाहिये। यज्ञाचार्य कृष्ण मणि मिश्र व पण्डित संजीव मिश्र ने यज्ञ के धार्मिक महत्व से बच्चों को अवगत कराया। पण्डित अविनाश त्रिपाठी ने नव सम्वतसर की विशेषता को वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टि से समझाया।

आयोजन की ऋंखला में श्री काली मंदिर आवास विकास पर सनातन धर्म संस्था के सदस्य कैलाश नाथ दूबे की अगुवाई में आयोजन किया गया जिसमें आवास विकास कालोनी की महिलाओं व पुरुषों ने आहुतियाँ दी।

सनातन धर्म संस्था के सदस्य कर्नल के सी मिश्र व श्याम चन्द्र चौधरी की अगुवाई में श्री दुर्गा मंदिर रौता चौराहा पर आयोजित यज्ञ में स्थानीय लोगों सहित, कृषि वैज्ञानिक व पूर्व सैनिक सम्मिलित हुये।

ब्रह्मण महासभा मालवीय रोड पर नव सम्वतसर के अवसर पर सुंदरकांड पाठ के पश्चात हवन करके प्रसाद वितरण हुआ व सभी ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं। श्री दुर्गा मंदिर महिला चिकित्सालय पर आयोजित कार्यक्रम बड़ा ही भव्य और सुंदर रहा, डॉ नवीन सिंह, योग शिक्षक राम मोहन, संजय सिंह, कौशल गुप्ता सहित विद्यार्थी और हवन में आहुतियां डाली और जय घोष किया। पण्डित गोपेश्वर त्रिपाठी की अगुवाई में सनातन धर्म संस्था द्वारा श्री रामजानकी मन्दिर पर पत्रकार, व्यापारी, भक्त गण उपस्थित रहे।

श्री दुर्गा मंदिर के डी सी पर आयोजित यज्ञ के आचार्य डॉ उमेश चन्द्र त्रिपाठी व सहयोगी पण्डित अविनाश त्रिपाठी द्वारा उपस्थित यजमान समाजसेवी जगदीश शुक्ल, राजकुमार, सदर ब्लाक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव व अन्य सनातनी जनों द्वारा भगवान का पूजन अर्चन कर यज्ञ में आहुतियां दी गई।

आयोजन में मुख्य रूप से शुशील मिश्र, अनुराग शुक्ल, अंकुर यादव, सुनील सिंह, उमंग शुक्ल, आर सी त्रिपाठी, दिनेश चंद्र उपाध्याय, प्रमोद श्रीवास्तव, विजय कांत, विजय कुमार दूबे शिवम, रक्षाराम, पंकज त्रिपाठी की भागीदारी रही।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम, सम्मानित हुए छात्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया विकासखण्ड के आदर्श कंपोजिट विद्यालय रेवरादास के परिसर में सोमवार को वार्षिकोत्सव एवं आठवीं उत्तीर्ण छात्रों का सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी हरेया बड़काऊ वर्मा, डॉ दीनानाथ पटेल, विनोद वर्मा, डॉ अभय सिंह, एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उमेश सिंह और संदीप सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजीव शरण की अगुवाई में संजय कुमार, डॉ वंदना सिंह, भागीरथी यादव, राजरतन बौद्ध, अनिल धर दुबे, अनीता वर्मा, सीता चौधरी ने आए हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। आंचल, अंशिका, गीतांजलि, सृष्टि के द्वारा सरस्वती वंदना, अंशिका, अंकिता, संध्या, खुशी, शशि, सरस्वती के द्वारा स्वागत गीत, सिद्धि, जोया, आराध्या, अनन्या, अर्पित, यश, अंश, दिव्यांश, दीपांकर आदि के द्वारा देशवा के माटी, स्कूलवा में नमवा, देशवा प्यार है, इंटरनेट, मेरी मां के बराबर कोई नहीं, तिरंगे के सम्मान आदि दर्जनों मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। आठवीं उत्तीर्ण बच्चों को अतिथियों और विद्यालय परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि परिषदीय विद्यालयों की स्थिति में बड़ा बदलाव हुआ है एक समय था जब विद्यालय में जरूरी संसाधन नहीं हुआ करते थे आज स्थिति यह है कि बेहतरीन सांस्कृतिक आयोजन देखने को मिल रहा है। इस तरह का आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में उपयोगी है। कार्यक्रम को शिक्षक नेता सन्तोष कुमार शुक्ल, रामसागर वर्मा, रामप्यारे कनौजिया आदि ने संबोधित किया। संचालन डा. योगेश सिंह ने किया।

इस दौरान सत्यराम वर्मा, विद्यासागर वर्मा, विवेक कान्त पाण्डेय, मानिकराम वर्मा, श्री नारायण मिश्र, देवेन्द्र शुक्ल, अमरचंद वर्मा, चिन्मय राय, अशोक वर्मा, पवन वर्मा, रामपाल शर्मा, अमरजीत यादव, विवेक कुमार, अनंत गौतम, हरी सिंह, राजेंद्र प्रसाद, सहदेव प्रसाद, प्रभात वर्मा, काशीराम वर्मा, अर्जुन प्रसाद, विनय वर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 अप्रैल 2024 बुधवार

सम्पादकीय

जांच, राजनीति और प्रतिरोध

पश्चिम बंगाल में आपराधिक घटनाओं को सियासी रंग देने का पुराना इतिहास रहा है। अब चाहे वहां वामपंथी शासन रहा हो, कांग्रेस का हो या अब तृणमूल कांग्रेस का हो। लेकिन शुरुआती सूचनाओं के हिसाब से जल्दबाजी में किसी निष्कर्ष तक पहुंचना ठीक नहीं है। निस्संदेह, आम चुनाव की तरफ बढ़ रहे देश में जांच एजेंसियों के एक पक्ष के खिलाफ कार्रवाई करने से उनकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठना भी स्वाभाविक ही है। इससे जहां एजेंसियों की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ता है, वहीं देश की चुनाव प्रक्रिया पर भी आंच आती है। बहरहाल इस घटनाक्रम के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के दस सांसदों ने सोमवार को दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के मुख्यालय के बाहर धरना दिया। पुलिस बाद में सांसदों को जबरन उठाकर ले गई। लेकिन इसके बावजूद किसी मामले में जांच–पड़ताल को गई किसी एजेंसी के अधिकारियों पर हमला करना भी दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा। ऐसे मामले में भीड़ की अराजकता स्वीकार्य नहीं है। लेकिन एक बात तो तय है कि पश्चिम बंगाल के ईस्ट मेदिनीपुर क्षेत्र में शनिवार की सुबह एनआईए अधिकारियों पर हमले का निष्कर्ष है कि राज्य के तंत्र ने विगत के घटनाक्रम से कोई सीख नहीं ली। ध्यान रहे कि इस साल की शुरुआत में संदेशखाली प्रकरण में भी प्रवर्तन निदेशालय की टीम भीड़ के हमले का शिकार बनी थी। फिर इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हुई थी। जाहिर है ऐसे घटनाक्रम राजनीति से इतर स्वतंत्र जांच की उम्मीद को खत्म करते हैं। निस्संदेह घटनाक्रम से जुड़े वास्तविक तथ्यों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि एनआईए यह जांच कलकत्ता हाईकोर्ट के कहने पर कर रही है। दरअसल, मामला साल 2022 में हुए एक बम धमाके से जुड़ा है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। जिसकी जांच लंबे अर्से बाद उच्च न्यायालय द्वारा एनआईए को सौंपी गई। एजेंसियों ने पूछताछ के लिये आरोपियों को कई बार बुलाया था, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। कहा जा रहा है कि एजेंसी ने यह कार्रवाई उचित नियमों के अनुरूप ही की है।

बहरहाल, राजनीति से इतर हमें मानना होगा कि किसी मामले में केंद्रीय एजेंसी से जुड़े अधिकारियों पर हमला व कामकाज में अवरोध पैदा करना संघीय व्यवस्था के लिये घातक ही है। उल्लेखनीय है कि संदेशखाली में भी ईडी अधिकारियों पर हमला हुआ था। लेकिन राज्य सरकार ने मुख्य आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। तब भी उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में विवाद बढ़ते देख आरोपियों को तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित किया गया था। आरोपी पार्टी का बाहुबली नेता था। घटनाक्रम से राज्य सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठे थे। सवालिया निशान राज्य की कानून व्यवस्था व महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की अनदेखी पर भी उठे थे। वहीं राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर एजेंसियों द्वारा पार्टी के नेताओं को डराया जा रहा है। दूसरी ओर तृणमूल सुप्रीमो एनआईए द्वारा बम धमाके के आरोपी की गिरफ्तारी के लिये रात में जाने को लेकर सवाल उठा रही हैं। उनकी दलील है कि ग्रामीण रात को आने वाले अनजान व्यक्ति को देखकर आक्रामक हो जाते हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या छापेमारी से पहले एनआईए ने स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया था? या फिर राजनीतिक दबाव में काम कर रही स्थानीय पुलिस को सूचना देने से गोपनीयता भंग होने की आशंका से एनआईए ने छापे की पूर्व सूचना नहीं दी? दूसरी ओर एनआईए का कहना है कि सूचना दी गई थी लेकिन स्थानीय पुलिस का रवैया सहयोग करने वाला नहीं था। बताया जाता है कि जिस व्यक्ति को गिरफ्तार करने एनआईए गई थी वह तृणमूल कांग्रेस का नेता है। विगत में भी ममता बनर्जी अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के समर्थन में खुलकर मैदान में आ जाती हैं। यह विडंबना ही है कि तृणमूल कांग्रेस व भाजपा नेताओं के बीच जारी टसल के चलते केंद्र व राज्य के संबंधों में तनाव की स्थिति बन रही है। साथ ही केंद्रीय जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर आंच आ रही है।

यूपी में सपा के भरोसे कांग्रेस

—अजय कुमार—

उत्तर प्रदेश में इंडी गठबंधन का प्रचार अभियान तेज नहीं पकड़ पा रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के सामने समस्या यह है कि वह अपनी चुनावी लाईन ही नहीं तय कर पा रहे हैं। वहीं कांग्रेस आलाकमान ने यूपी को तो मानो भूला ही दिया है। संभवता कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार यह मान बैठा है कि यूपी में उसका सियासी सफरनामा सपा के कंधे पर बैठकर पूरा हो जायेगा। इंडी गठबंधन के तहत यूपी में कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 20219 के लोकसभा चुनाव में यूपी में कांग्रेस का वोट प्रतिशत 2.33 प्रतिशत और सीट मात्र रायबरेली की एक थी। जहां से सोनिया गांधी सांसद थीं, अब वह राज्यसभा की सदस्य हैं। रायबरेली से कांग्रेस सोनिया गांधी की जगह नया प्रत्याशी मैदान में उतारेगी। इंडी गठबंधन के कमजोर प्रचार अभियान और बीजेपी के युद्ध स्तर पर चुनाव प्रचार करने से फिलहाल ऐसा लग रहा है कि बीजेपी ने प्रचार के माध्यम से काफी बढ़त बना ली है। 04 जून को मतगणना वाले दिन पता चलेगा बीजेपी की मेहनत कितनी रंग लाई, लेकिन कई सीटों पर मुकाबला कांटे का दिखाई दे रहा है। बीजेपी भी हर कदम फूंक–फूंक कर रख रही है। वहीं सपा–कांग्रेस भी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं। हालांकि अमेठी, रायबरेली, बदायूं, घोषी, आजमगढ़, रामपुर समेत करीब दो दर्जन सीटों पर मुकाबला रोमांचक होने वाला है। जीत–हार का आंकलन कर पाना किसी भी राजनीतिक पंडित के लिए आसान नहीं होगा। कुल मिलाकर कांग्रेस की सुस्ती से समाजवादी पार्टी का प्रचार अभियान भी तेजी नहीं पकड़ पा रहा है जबकि पहले चरण के मतदान में अब मात्र दस दिनों का ही समय बचा है। कांग्रेस के रवैये के चलते सपा के कई दिग्गज नेता कांग्रेस आलाकमान से नाराज भी चल रहे हैं,इन नेताओं का कहना है कि कांग्रेस, सपा की पीठ पर सवार होकर पार करना चाहती है चुनावी वैतरणी।

यूपी की 80 की 80 सीट जीतने का लक्ष्य बीजेपी ने रखा है। हालांकि ऐसा होना असंभव नहीं तो मुश्किल जरूर है। खासकर इंडी गठबंधन के बाद यूपी में क्लीन स्वीप कर पाना इतना आसान नहीं होगा। इस बार बीजेपी को अपनी जीती हुई सीट बचाने में भी मुश्किल होगी। वहीं 2019 में हारी सीटें जीतना एक बड़ी चुनौती रहने वाली है। हालांकि बीजेपी भी अपने काम और मोदी–योगी के नाम पर पूरी दमखम से जुटी हुई है। वहीं इस चुनाव में यूपी की कई अन्य सीटों पर क्रिकेट मैच के फाइनल की तरह करो या मरो जैसी स्थिति रहने वाली है। इस बार जो चुनावी रण में लड़ेगा वही जीतेगा। लहर के भरोसे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। बात अगर यूपी की सबसे कांटे की टक्कर वाली सीट की करें तो पहला और दूसरा नाम अमेठी एवं रायबरेली सीट का आता है। अमेठी लोकसभा सीट पर उसी स्थिति में मुकाबला कांटे का होने की संभावना है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़े। अमेठी कांग्रेस का गढ़ रहा है और 2019 के चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी चुनाव हार गए थे। उधर, बीजेपी ने मौजूदा सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को पुनः उम्मीदवार बनाया है। हाल ये है कि कांग्रेस अभी तक उम्मीदवार की घोषणा तक नहीं कर पाई है। चर्चा है कि सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा अमेठी से चुनाव लड़ सकते हैं। रॉबर्ट वाड्रा के चुनाव लड़ने पर भी मुकाबला करो या मरो वाला हो जाएगा। इस सीट पर कांग्रेस का उम्मीदवार घोषित होने के बाद ही मुकाबला कैसा होगा, ये कह पाना संभव होगा। इसी प्रकार से रायबरेली सीट कांग्रेस का अभेद्य किला रहा है। मोदी लहर के बावजूद बीजेपी 2014 और 2019 के चुनाव में कांग्रेस के इस किले को भेद नहीं पाई थी। इस बार सोनिया गांधी चुनाव नहीं लड़ रही है। कांग्रेस से चुनाव कौन लड़ेगा, अभी संशय बना हुआ है। अगर गांधी परिवार का कोई भी सदस्य चुनाव लड़ता है तो ये सीट कांग्रेस आसानी से जीत सकती है। अगर किसी अन्य को टिकट मिलता है तो कांग्रेस के लिए रायबरेली बचाना मुश्किल हो जाएगा। चुनाव इतना कांटे का हो जाएगा, जिस पर नतीजे आने से पहले कुछ भी कह पाना किसी के लिए मुश्किल होगा। यहां से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की चर्चा है। अगर प्रियंका चुनाव लड़ी तो कांग्रेस का रास्ता साफ हो जाएगा। बीजेपी के मिशन 80 पर प्रियंका पानी फेर सकती है।

तीसरे नंबर पर मैनपुरी लोकसभा सीट है। सपा का गढ़ मानी जाने वाली मैनपुरी सीट पर अगर बीजेपी नेताजी मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को टिकट देती है तो उस स्थिति में चुनाव कांटे का होने की संभावना है। वरना इस सीट पर हुए उप–चुनाव के नतीजों से साफ–साफ संकेत है कि इस बार भी नतीजे सपा के पक्ष में आएंगे। डिंपल यादव आसानी से चुनाव जीत जाएंगी। अपर्णा चुनाव लड़ी तो लड़ाई बेहद रोमांचक होगी, उस स्थिति में जीत हार का आंकलन कर पाना बहुत मुश्किल होगा। ऐसे ही कन्नौज सीट से सपा मुखिया अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने पर ही मुकाबला जैसी स्थिति होगी। वरना बीजेपी के सुब्रत पाठक कमल खिला देंगे। अखिलेश के लड़ने पर सुब्रत पाठक के लिए चुनाव जीतना लोहे के चने चबाने जैसा होगा।

बदायूं सीट पर भी इस बार कड़ा मुकाबला होने के आसार है। सपा ने कद्दावर नेता शिवपाल यादव को टिकट दिया था, लेकिन अब बदायूं से उनकी जगह उनके पुत्र आदित्य के चुनाव लड़ने की चर्चा है। जबकि बीजेपी ने मौजूदा सांसद संघमित्रा मौर्य का टिकट काट दिया है। इस बार बीजेपी के दुर्विजय शाक्य की टक्कर यादव कुनबे से होगी। अगर आदित्य चुनाव लड़े तो उस स्थिति में बदायूं सीट पर रोमांचक मुकाबला होगा। आखिरी समय तक कुछ भी कह पाना संभव नहीं होगा। उधर घोषी सीट पर भी मुकाबला करो या मरो वाला होने वाला है। वहीं आजमगढ़ सीट पर भी सपा ने धर्मेंद्र यादव को उतार कर दिनेश लाल निरहुआ को कड़ी टक्कर दे दी है। सपा का गढ़ रही इस सीट पर भी कांटे की टक्कर हो सकती है।

चुनावी चंदे का धंधा और लोकतंत्र

—मंगत राम पासला —

चुनावी 'चंदा' के माध्यम से विभिन्न कार्पोरेट घरानों, बड़ी कम्पनियों और बड़े व्यवसायियों द्वारा राजनीतिक दलों को भारी मात्रा में धन दिए जाने की हकीकत सामने आने के बाद यह समझना मुश्किल नहीं है कि वर्तमान लोकतंत्र संरचना सभी के लिए आसान नहीं है। राजनीतिक दल चुनाव लडने का समान अवसर प्रदान नहीं करते हैं। निचले एक प्रतिशत अमीर, जिनके पास देश की 40 प्रतिशत आबादी के बराबर सम्पत्ति है, अपने झूठे हितों को पूरा करने के लिए अपने पसंदीदा राजनीतिक दलों को चुनावी चंदा देते हैं। ऐसी स्थिति में, बेहद सीमित संसाधनों के साथ, जनता के हितों की रक्षा के लिए चुनाव में उतरने वाले राजनीतिक दल माया के इस खेल में कोई सफलता हासिल करने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? उल्लेखनीय बात यह है कि चुनाव आयोग और उसके कर्मचारी करोड़ों रुपए खर्च कर राज्य के सभी सिद्धांतों की धज्जियां उड़ाकर चुनावी जनादेश जारी करने वाले बड़े दलों की अनैतिक गतिविधियों को रोकने की बजाय जनता के वास्तविक मुद्दों को गौण तरीके से संबोधित कर रहे हैं। वे चुनावी युद्ध में शामिल छोटे दलों से अधिक पूछताछ और निगरानी करते हैं।

कार्पोरेट और फर्जी कम्पनियों द्वारा मुख्य रूप से भाजपा और कई अन्य दलों को अपने काले कारोबार के रास्ते में आने वाली किसी भी संभावित बाधा को दूर करने के लिए दिए गए 'चंदे' का खुलासा सुप्रीम कोर्ट के शानदार फैसले से हो गया है , जो मोदी–शाह सरकार कभी नहीं चाहती थी। 'आय–व्यय' का ब्यौरा देने पर कानूनी रोक के कारण शायद यह अनुमान लगाना भी मुश्किल है कि संघ परिवार के पास कितनी सम्पत्ति है, हालांकि, आजादी के तुरंत बाद सत्ताधारी दल को अमीरों का समर्थन मिलना शुरू हो गया। लेकिन मौजूदा सत्ताधारी दल ने चुनावी 'चंदे' के नए–नए आविष्कार के जरिए जिस तरह से सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर कार्पोरेट घरानों और कम्पनियों से 'जजिया' वसूला है, वह आश्चर्यजनक भी है और चिंताजनक भी।

यदि चुनावों में माया के अक्षम हस्तक्षेप के माध्यम से अपना हित साधने की इस अलोकप्रिय राजनीतिक घटना पर किसी न किसी रूप में कोई रोक नहीं है, तो भारत की जनता की राजनीतिक व्यवस्था, जो पहले से ही 'सत्तावादी लोकतंत्र' में है, को बदल दिया गया है। देर–सवेर इसका खात्मा होना तय है। जब आम लोग आसमान छूती महंगाई, रिकॉर्ड तोड़ बेरोजगारी, सामाजिक सुरक्षा की कमी, आबादी के बड़े हिस्से के स्वास्थ्य और शैक्षणिक सुविधाओं से वंचित होने की बात करते हैं तो उन्हें वास्तविक कारणों का पता नहीं चलने दिया जाता। कठिनाइयों से जूझ रहे मेहनतकश लोग, जिन्हें मेहनत की कमाई से भी दो वक्त की रोटी नहीं मिल पाती, इस त्रासदी के लिए या तो किसी 'बुरी शक्ति' को दोषी मानते हैं या फिर उन लोगों को, जिनका चरित्र उस समय के शासकों जैसा ही है।

जनता गंभीर मंथन कर सब कुछ लुट जाने की हकीकत का सामना करने की बजाय सरकार की मुफ्त आटा–दाल योजना और मुफ्त बिजली आदि से संतुष्ट है। समाज की समस्याओं की जड़ आर्थिक नीतियां हैं, जिन्हें तत्कालीन सरकारें 'चुनावी चंदा' जैसे दान लेकर लागू करती हैं। लोग अमीरों के हितों की पूर्ति करने वाली मौजूदा सरकारी व्यवस्था और कॉर्पोरेट मुनाफे के लिए काम करने वाली सरकार के जनविरोधी प्रदर्शन से कुछ भी न मिलने की कड़वी सच्चाई का सामना करने के लिए मजबूर हैं। अमीरों के हितों की पूर्ति तथा उनके मुनाफे के लिए काम करने वाली मौजूदा सरकार की राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ जनविरोधी प्रदर्शन से कुछ न मिलने की कड़वी सच्चाई का सामना करने वाले मजबूर लोगों के मन में पैदा हुई परेशानी और हताशा कम नहीं होती दिखाई देती है।खासकर ऐसे समय में जब सामाजिक परिवर्तन के लिए लडने वाली उन्नत राजनीतिक ताकतें शासकों के खिलाफ जनता के बीच फैली अशांति को सही दिशा में संगठित करने और सकारात्मक बदलाव करने में सक्षम लोगों की शक्ति को आकार देने में सक्षम नहीं हैं, तब दबंग नेता सत्ता पर काबिज रहते हैं।

याद रखें, फासीवादी राजनीतिक व्यवस्था में जनता के बुनियादी मुद्दों के समाधान की कोई संभावना नहीं है। देश की मौजूदा राजनीतिक–आर्थिक स्थिति मजबूत होने और जनपक्षधर राजनीतिक दलों की कमजोर स्थिति के कारण 2024 के लोकसभा चुनाव में मुख्य रूप से 2 पार्टियां आमने–सामने हैं। एक ओर जहां धर्म के आधार पर गैर–जन राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने की कोशिश कर रही भाजपा और एन.डी.ए. का गठबंधन लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है तो दूसरी ओर, सीमित वर्ग सीमाओं के साथ उदार लोकतंत्र के ढांचे के साथ संविधान की रक्षा करने वाली धर्मनिरपेक्ष और जनवादी राजनीतिक ताकतों का गठबंधन 'इंडिया' है। दोनों मोर्चों के बीच युद्ध में तटस्थ रहने का दिखावा करने वाली बसपा समेत किसी भी अन्य राजनीतिक समूह के दावे कोरे दिखते हैं। यह पैंतरेबाजी वास्तव में भाजपा विरोधी वोटों के वितरण के माध्यम से गुप्त रूप से भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन करने के लिए है।

निस्संदेह, अपने सीमित जनाधार और आर्थिक संसाधनों की भारी कमी के कारण राष्ट्रीय स्तर पर वामपंथी दल इन चुनावों में संख्या की दृष्टि से बड़ी भूमिका नहीं निभा सके। लेकिन वैचारिक स्पष्टता, सिद्धांतवादिता और परिपक्व आचरण के मामले में संघ परिवार को हराने में वामपंथी दलों की भूमिका अहम रहेगी। चुनाव आयोग की मौन सहमति से भाजपा द्वारा सरकारी एजेंसियों के घोर दुरुपयोग और विपक्षी दलों पर की जा रही दमनात्मक कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप इन दलों के कई नेता धड़ाधड़ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इन नेताओं का यह संयमित व्यवहार किसी विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता या जनता के प्रति वफादारी के कारण नहीं है, बल्कि निजी हितों की पूर्ति की चाहत या सरकारी मशीनरी के डर का नतीजा है। यह वर्तमान समय की सबसे बड़ी त्रासदी है कि अधिकांश राजनेता राजनीति को 'लाभ का धंधा' मानते हैं। यह गर्व की बात है कि दल–बदल की घातक बीमारी से काफी हद तक वामपंथी बच गए हैं।

आज मुस्लिम विरोधी प्रचार और पिछड़े विचारों के आधार पर बना भ्रष्ट संगठनात्मक ढांचा देश के धर्मनिरपेक्ष और जनता के राजनीतिक ढांचे के अस्तित्व के लिए एक वास्तविक चुनौती बन गया है। कमियों के बावजूद, देश की वामपंथी पार्टियां अभी भी लोकलुभावन विचारधारा के स्तर पर एक संगठनात्मक तंत्र के साथ 'संघीय विचारधारा' का मुकाबला करने में एक जुझारू और विश्वसनीय शक्ति हैं। इसीलिए संघ परिवार और भाजपा की केन्द्र और राज्य सरकारें वामपंथी बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ बेहद दमनकारी रवैया अपना रही हैं। गरीबी से पीड़ित विशाल मानवतावादी हिन्दू आबादी के हितों की रक्षा के साथ–साथ देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, दलितों और महिलाओं के अधिकारों के लिए मजबूत आवाज उठाने के लिए वामपंथी और लोकतांत्रिक ताकतों की ताकत और जनाधार बहुत महत्वपूर्ण है। वाम दलों की मजबूत उपस्थिति के बिना, शाही और कॉर्पोरेट घरानों की लूट को बनाए रखने के लिए काम करने वाली सरकारों के खिलाफ लंबे और मजबूत संघर्षों की सफलता का सपना भी नहीं देखा जा सकता है। इसलिए 2024 के लोकसभा चुनाव में साम्प्रदायिक ताकतों की हार और धर्मनिरपेक्ष व लोकलुभावन ताकतों की जीत के लिए वाम दलों की एकता जरूरी है।

छोटी रील्स बनाने का क्रेज

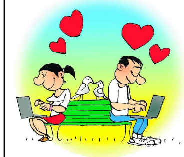

—डॉ. संजय वर्मा—

पुण्यभूमि भारत के लिए सोशल मीडिया मंचों के लिए बनाई जा रही रील्स एक राष्ट्रीय आपदा बन गई हैं। यह उस शक्तिशाली होते, विकसित होते युवा भारत की तस्वीर से जुड़ी नई समस्या है जो संचार के लिए जरूरी बन इंटरनेट और इस पर सृजित होते नए–नए सोशल मीडिया के मंचों के जरिये हमारे जनमानस पर छा गई है। जैसा कि विज्ञान की हर सहूलियत के बारे में कहा है कि वह सुविधा के साथ–साथ समस्या भी लाती है, रील्स के बारे में दावा किया जा सकता है कि ये समस्याओं के अंबार के साथ तनिक सुविधा भी साथ लाती हैं। इस आखिरी वाक्य को कुछ ताजा उदाहरणों की रोशनी में देखें तो बात ज्यादा साफ हो सकती है।

हाल में जोर–शोर से मनाए गए रंगों के त्योहार होली के दौरान देश की राजधानी दिल्ली और इसके नजदीकी इलाकों में कुछ युवतियों को मेट्रो ट्रेन में और स्कूटी पर भदेस किस्म की रील्स बनाने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया। नोएडा में पकड़ी गई युवतियों पर आरोप है कि उन्होंने बेहद आपत्तिजनक मुद्राओं में खुलेआम ये रील्स बनाईं। कमाई के लिए उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड भी किया गया। यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर लाखों सब्सक्राइबर रखने वाली इन लड़कियों पर अव्यवस्था और अश्लीलता फैलाने की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज किए गए और ट्रैफिक पुलिस ने इनकी स्कूटी का 33 हजार रुपये का चालान भी काटा। स्कूटी पर भदेस हरकतें करने वाली इन्हीं युवतियों का एक और वीडियो कुछ समय पहले वायरल हुआ था। उसमें ये दिल्ली मेट्रो में यात्रियों की मौजूदगी के बीच ऐतराज वाली मुद्राओं में दिखी थीं। जेल भेजे जाने पर ये लड़कियां अपनी हरकतों पर माफी मांगते और यह दावा करते नजर आईं कि ये बेहद गरीब परिवारों से आती हैं। लिहाजा इनके पास चालान व अन्य जुर्माने भरने के पैसे नहीं हैं। सार्वजनिक स्थान पर अश्लील हरकतें करने, जानलेवा स्टंट करने और दूसरों के लिए जोखिम वाले हालात पैदा करने संबंधी कानून के मुताबिक पुलिस को 151 के तहत न्यूनतम और अन्य धाराओं में कड़ी कार्रवाई करने का हक है। हालांकि ज्यादातर मामलों में खतरनाक और अश्लील प्रदर्शन वाली रील्स बनाने वाले युवा मामूली जुर्माने और हल्की सजाओं के साथ छूट जाते हैं। शायद यही वजह है कि आज की तारीख में देश में शायद ही कोई ऐसी जगह बची हो, जहां हाथों में स्मार्टफोन लिए युवा कोई न कोई वीडियो बनाते नहीं दिखते हों। ऐतिहासिक व पर्यटक स्थल, मेट्रो ट्रेन, बाजार और कॉलेज कैंपस तो इनके लिए सबसे मुफीद जगहें हैं बल्कि मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे आदि धर्मस्थलों में यदि कोई रोकटोक न हो, तो रील्स के जरिये वहां का माहौल दूषित करने में देर नहीं लगती है। ऐसे में लगता यही है कि इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि तमाम सोशल मीडिया मंचों पर इन्हें तुरत–फुरत बनाकर परोसने की सुविधा सस्ते और तेज इंटरनेट की बदौलत मिली है, उसने इससे जुड़ी समस्या को असल में एक नई राष्ट्रीय आपदा में बदल डाला है।

रील्स यानी बेहद छोटी अवधि वाले ऐसे वीडियो जिनमें किसी गाने की धुन, डायलॉग, चुटकुले या संगीत पर हाथ–पांव हिलाने होते हैं और मुंह चलाना (लिप सिंक करना) होता है। ये कुछ सार्थक और सकारात्मक भी हो सकते हैं, लेकिन ज्यादातर में पृष्ठभूमि में बजते–सुनाई देते किसी गीत, संगीत, चुटकुले पर हावभाव और मुद्राएं भर बनानी होती हैं। इन्हें बनाने के लिए ज्यादा तामझाम और महंगे स्टार्टफोन की जरूरत भी नहीं है। इसीलिए स्कूल जाते छात्रों से लेकर उनके कुछ अध्यापकगण तक खुद को इन्हें बनाने और इनके जरिये कुछ कमाई करने के लालच से खुद को रोक नहीं पाते हैं। हालांकि रील्स से कमाई का गणित सीधा और आसान नहीं है, लेकिन कोई वीडियो (रील्स) अगर वायरल होने की श्रेणी में आ गया, तो मशहूर होने और फिर कुछ कमाई करने का रास्ता कुछेक मामलों में खुल जाता है। हालांकि ये रील्स स्मार्टफोन के साथ पैदा नहीं हुई हैं। पहले टिकटॉक और फिर इंस्टाग्राम–फेसबुक पर 15 से 30 सेकंड के शॉर्ट वीडियो अपलोड करने की सुविधा के साथ यह आपदा जन्मी है। चीन के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच टिकटॉक पर तो हमारे देश में जून 2020 में पाबंदी लगाई जा चुकी है। लेकिन उसी वर्ष यानी 2020 से फेसबुक (मेटा) के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम ने शॉर्ट वीडियो की सहूलियत दी, तो लोगों को जैसे मनचाही मुराद मिल गई। रील्स यानी छोटी अवधि वाले वीडियो बनाने और इन्हें देखे जाने की परंपरा के जंगल में आग की मानिंद फैलने में एक भूमिका महामारी कोविड–19 के बीच देश–दुनिया में लगाए गए लॉकडाउन की भी रही। उस दौरान घरों में बंद लोगों ने समय काटने के लिए ऐसे वीडियो बनाने और इंस्टाग्राम आदि के जरिये उन्हें परोसने का जो सिलसिला शुरू किया, वह दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है।

सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर से टकराई बाइक, तीन की मौत

संवाददाता—बलरामपुर। थाना देहात के गिधरैंया गांव निकट सड़क पटरी पर खड़े ट्रैक्टर से बाइक पर सवार तीन युवक टकरा गए। तीनों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवकों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर से टकराकर बाइक के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में मारे गए युवक चकवा गांव निवासी हैं। युवकों की मौत से गांव में चीख पुकार मची है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। चकवा निवासी 30 वर्षीय अंकित पाण्डेय पुत्र कुन्नू पाण्डेय इकौना में संतोष शुक्ला की दुकान पर चौकीदारी करते हैं। सोमवार रात दस बजे वह गांव के ही 18 वर्षीय विश्सू पाण्डेय पुत्र दद्दन व 17 वर्षीय विजयपाल वर्मा पुत्र दयाशंकर के साथ बाइक से इकौना गए थे। कुछ घंटे बिताने के बाद वे बाइक से घर लौटने लगे। गिधरैंया गांव के निकट बांई ओर बालू भरी ट्रैक्टर ट्राली खड़ी थी। बाइक चालक अंकित अपना नियंत्रण खो बैठे। वह ट्रैक्टर से जाकर भिड़ गए। अंकित, विश्सू व विजयपाल के सिर में गंभीर चोटें आईं। एकत्रित ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने उन्हें सरकारी एंबुलेंस की मदद से मेमोरियल चिकित्सालय पहुंचाया। चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। थाना देहात के प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। दुर्घटना में तीन नवजवान युवकों की मौत के बाद चकवा गांव में कोहराम मचा है। अधिकांश घर ऐसे हैं जहां मंगलवार को चूल्हा नहीं जला। लोग मृतक के घरों में जुटे रहे। अंकित के पिता कून्नू पाण्डेय कल्ला भट्ठा के निकट दुकान करते थे। अंकित की शादी हो चुकी थी। उनका डेढ़ साल का बच्चा है। माता, पिता, पत्नी बच्चे का रो—रोकर बुरा हाल है। अंकित ने घर लौटते समय पत्नी से फल लाने का वादा किया था। पत्नी उसी वादे को याद कर चीख रही है। वह रह—रहकर बेहोश हो जा रही है। माता—पिता भी पूरी तरह बदहवास हैं। विश्सू व विजय की शादी नहीं हुई थी। घर में लोगों का रो—रोकर बुरा हाल है। दोनों की मां व पिता बेहोशी की हालत में बड़बड़ाती हैं। उनका कहना है कि वे अपना जीवन कैसे व्यतीत करेंगी। थाना देहात अन्तर्गत बौद्ध परिपथ बहराइच मार्ग पर दुर्घटनाओं का ग्राफ बढ़ा है। पिछले एक पखवारे के भीतर मार्ग दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो चुकी है। सोमवार देर रात हुई दुर्घटना चकवा पुलिस चौकी के निकट हुई है। पुलिस कर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक तरह से नहीं कर रहे। यातायात जागरूकता का कार्यक्रम महज औपचारिकता बनकर रह गया है। लोग दुर्घटनाओं में मारे जा रहे हैं।

गेहूं के खेत में लगी आग, किसानों की फसल राख

संवाददाता—देवरिया। गौरीबाजार के पथरहट में मंगलवार को दोपहर में गेंहूं की खड़ी फसल में अज्ञात कारणों से आग लग गई। इसमें आधा दर्जन किसानों की पांच बीघा गेंहूं की फसल जल गई। ग्रामीणों ने अथक प्रयास से आग पर काबू पाया।

पथरहट में मंगलवार को दोपहर में गांव के किसान जगदीश सिंह के खेत में अज्ञात कारणों से आग लग गई। तपती दोपहरी में आग की उठती लपटें आसपास के खेतों में खड़ी फसल को को चपेट में ले लिया। किसान जगदीश सिंह का एक बीघा, हीरा सिंह का दस कठ्ठा, ईश्वर प्रसाद का दस कठ्ठा, रामाज्ञा मोर्य का डेढ बीघा, गोपाल प्रसाद का दस कठ्ठा गेहूं की खड़ी फसल जल कर राख हो गई। रामाज्ञा मोर्य की तो पूरी फसल ही जल गई। गांव के समीप फसलों में लगी आग से ग्रामीण दहशत में आ गया। बड़ी मशक्कत से ग्रमीणों ने आग पर काबू पाया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची।

शार्ट सर्किट से लगी आग, धू-धूकर जलीं चार अस्थाई दुकानें

संवाददाता—गोण्डा। गोंडा—लखनऊ राजमार्ग के किनारे हुजूरपुर मोड़ के पास मंगलवार की सुबह बिजली की शार्ट सर्किट से अंडे की दुकान में आग लग गई। जिसकी चपेट में आकर चार अस्थाई दुकानें जल गईं। करीब एक लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन केंद्र को सूचना दी लेकिन फायर ब्रिगेड वाहन पहुंचने से पहले पड़ोसियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। मोहम्मद शाहिद की सब्जी व फल की दुकान थी जिसमें ट्रांसपोर्ट का सामान भी रखा हुआ था। वह जल गया और साथ ही में सब्जी फल लगाने वाला ठेला भी जल गया। मोतीलाल त्यागी मेहनत मजदूरी करते थे और छप्पर रखकर उसी में रात्रि निवास करते थे। उनका छप्पर व पांच हजार रुपये नकद जल गया। मुनव्वर की एक ढाबली व ठेला भी आग की भेंट चढ़ गया। नियाज अहमद की अंडे की दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। अंडे की दुकान में गैस सिलिंडर भी रखा हुआ था। लोगों ने किसी तरह बांस से धकेलकर आग से अलग कर दिया नहीं तो सिलिंडर ब्लास्ट होने पर बड़ी घटना हो सकती थी। देखते—देखते चार अस्थाई दुकानें जलकर राख हो गईं। तहसीलदार मनीष कुमार का कहना है कि मौके पर लेखपाल को भेजा गया है। नुकसान का आकलन करके अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मोतीगंज कोतवाली देहात के खोरहंसा पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत जमदरा भकुरहा गांव में सोमवार की देर शाम को अज्ञात कारणों से आग लग गई जिसमें चार घर जलकर राख हो गए। चौकी प्रभारी खोरहंसा अजय तिवारी ने बताया कि खरीदू, जगनू, भगवान दास और कुसला के घरों में रखा राशन, बिस्तर व कपड़े जलकर राख हो गए साथ ही रामतीर्थ, दूधनाथ और चिरगना का एक—एक बीघे गेंहू की फसल भी जल गई। ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया जा सका। लेखपाल मोहम्मद जावेद अहमद ने बताया कि रिपोर्ट बनाकर तहसील सदर भेजी जा रही है।

अटल में मुख्य भूमिका निभाने वाले कलाकार नेहा जोशी आशुतोष कुलकर्णी ने किए रामलला का दर्शन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के अवसर पर चौत्र नवरात्र प्रतिपदा नव दिनों तक चलने वाले प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव के प्रथम दिन एण्डटीवी के शो अटल के लीड कलाकार नेहा जोशी और आशुतोष कुलकर्णी ने अपनी टीम के साथ किया प्रभु श्री राम दर्शन, दोनों कलाकारों ने पहली बार अयोध्या पहुंचे और दर्शन कर अपने आप को धन्य महसूस कर रहे हैं उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें श्री राम लाल के दर्शन का अवसर प्राप्त हुआ मैं इसको शब्दों में बयां नहीं कर सकता।नेहा जोशी ऊर्फ एण्डटीवी के 'अटल' की कृष्णा देवी वाजपेयी ने अपने रोमांच और अनुभव के बारे में बताते हुये कहा, "राम मंदिर जाने के सिर्फ विचार ने ही मेरे मन को आभार एवं समर्पण की भावना से भर दिया था। भगवान राम का भक्त होने के नाते, अयोध्या जाने और मंदिर में दर्शन करने का मौका पाना, मेरे लिये किसी सपने के सच होने जैसा था। राम लला की पावन मूर्ति के सम्मुख खड़े होना एक ऐसा अनुभव था, जिसे मैं कभी भुला नहीं पाऊंगी। आशुतोष कुलकर्णी ऊर्फ कृष्ण बिहारी वाजपेयी ने कहा, "राम नवमी पूरे देश और दुनिया भर में बेहद उत्साह एवं समर्पण के साथ मनाई जाती है। हालांकि, खासतौर से अयोध्या में राम नवमी का उत्सव का उत्साह राम मंदिर के शुभारंभ के साथ बेहद भव्य था। मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं कि राम नवमी उत्सव से पहले मुझे राम मंदिर जाकर भगवान राम का आशीर्वाद लेने और यहां की भव्य तैयारियों को देखने का मौका मिला। यह वाकई में प्रेरणादायक और अद्भुत अनुभव था। मंदिर की निर्माण शैली देख मंत्र मुक्त हुए सभी कलाकार।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही पर प्रभारी प्रधानाध्यापक निलंबित

संवाददाता—देवरिया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने सोमवार को सलेमपुर विधानसभा क्षेत्र स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कंपोजिट विद्यालय लार में गंभीर खामियां मिली, जिस पर उत्तरदायित्व तय करते हुए जिलाधिकारी ने प्रभारी प्रधानाध्यापक को निलंबित करने का निर्देश दिया। यही नहीं उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी को भी कड़ी फटकार लगाई। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन संबंधित कार्यदायित्वों में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई अधिकारी या कार्मिक कोताही बरतेगा तो सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के साथ ही जनप्रतिनिधित्व अधिनियम—1951 की सुसंगत धाराओं में एफआईआर भी कराई जाएगी।

जिलाधिकारी मतदान केंद्र कंपोजिट स्कूल लार का निरीक्षण करने पहुंचे। उक्त मतदान केंद्र पर छह बूथ बनाए गए हैं। किंतु, निरीक्षण के दौरान मतदाताओं के लिए न्यूनतम सुनिश्चित सुविधाएं नदारद मिली। मानक के अनुसार बूथ रैंप से नहीं जुड़े थे। मतदान कक्ष में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं पंखा नहीं था तथा स्कूल की फर्श भी टूटी मिली। जिस पर डीएम ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। डीएम ने इस संबन्ध में कंपोजिट विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक वीरभद्र मणि पाठक से जानकारी मांगी तो वे समुचित उत्तर नहीं दे सके तथा जिलाधिकारी को गलत सूचनाएं दी। जिस पर डीएम ने बीएसए को प्रभारी प्रधानाध्यापक को निलंबित करने के लिए निर्देशित किया। डीएम ने खंड शिक्षा अधिकारी अमित सिंह को भी कड़ी फटकार लगाई और उन्हें सात दिन के भीतर मतदान केंद्र पर मतदाताओं के लिए आवश्यक न्यूनतम सुनिश्चित सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खण्ड शिक्षा अधिकारी सहित मतदान केंद्रों से संबंधित सभी अधिकारी अपने—अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहे और सभी मतदान केंद्रों पर रैंप, स्वच्छ शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, चार्जिंग पॉइंट, पंखा, पेयजल सुविधा, छायादार स्थल आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने मॉडल प्राथमिक विद्यालय इचौना बाजार, कन्या कंपोजिट विद्यालय हरैया लाला, कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय, मझौलीराज, बीएन इंटर कॉलेज, उच्च प्राथमिक विद्यालय शंकर नगर, उच्च प्राथमिक विद्यालय रामनगर लार, प्राथमिक विद्यालय बौली, कन्या प्राथमिक विद्यालय हरिजन बस्ती लार, उच्च प्राथमिक विद्यालय भुड़सरी व उच्च प्राथमिक विद्यालय रावतपार अमेठिया सहित एक दर्जन से अधिक मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम सलेमपुर गिरीश झा, बीडीओ आनंद प्रकाश सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

उम्र अठारह पूरी है तो वोट देना बहुत जरूरी है

संवाददाता—श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव में शत—प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने की मुहिम जारी है। प्रशासन की ओर से विभिन्न आयोजन कर लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया जा रहा है। स्कूलों में मतदाता जागरूकता रैली निकाल लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मंगलवार को शिक्षा क्षेत्र इकौना में कई स्कूलों में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। खंड शिक्षाधिकारी इकौना फूलचंद मौर्य व थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को विद्यालय परिसर से रवाना किया। प्राथमिक विद्यालय बंजरही, प्राथमिक विद्यालय गुलरिहा, उच्च प्राथमिक विद्यालय तेंदुआ पंडित, उच्च प्राथमिक विद्यालय जोरडीह, कंपोजिट विद्यालय कटरा गुलरिहा, उच्च प्राथमिक विद्यालय पटेल नगर इकौना के शिक्षकों ने स्कूली बच्चों के साथ रैली में शामिल होकर लोगों को जागरूक किया। रैली मुख्य मार्गो के साथ ही गांव में गली गली जाकर लोगों को शत प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। एबीएसए फूल चंद्र मौर्य ने कहा कि सब काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करें, फिर जलपान करे।

मवेशी के वध से नाराजगी, लोगों ने बाजार बंद कर किया प्रदर्शन

संवाददाता—बहराइच। जिले के कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र के बदरौली गांव में मंगलवार को एक मवेशी का किसी ने वध कर दिया। इससे लोगों में नाराजगी फैल गई। लोगों ने दुकान बंद कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पाकर एसडीएम, सीओ और कोतवाल पहुंच गए। जिनसे हिंदू संगठन के लोगों से वाद—विवाद हुआ। कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत बदरौली बाजार से 200 मीटर की दूरी पर गन्ने के खेत में प्रतिबंधित मवेशी का वध कर दिया गया। इसकी जानकारी होने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि कोतवाली के एक उप निरीक्षक ने साक्ष्य छिपाने का आरोप लगाया। इसके बाद सभी बाजार बंद कर नारेबाजी शुरू कर दी गई। दुकान बंद कर सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंच गए। सीओ रूपेंद्र गौड़ मौके पर गए लेकिन कुछ देर बाद वह वापस चले गए। इससे आमलोग और नाराज हो गए। हिंदू संगठन के श्रवण सिंह बिसेन, अमर शुक्ला, मरकंडेश्वर शुक्ला, धीरेंद्र सिंह गोलू, हनुमान पाठक, रुद्रांश सिंह प्रिंस, शेखर सिंह, अंश सिंह, किशन सिंह, शिवम सिंह, आनंद गौड, ललित यादव की अगुवाई में सैकड़ों लोगों ने नारेबाजी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जानकारी होने पर एसडीएम पंकज दीक्षित, सीओ रूपेंद्र गौड़, कोतवाल राजनाथ सिंह हेलमेट लगाकर पहुंचे।

जन्मोत्सव पर श्री राम कथा चित्त को निर्मल कर देती है -देवेंद्र प्रसादाचार्य

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्रीराम लला के जन्मोत्सव पर चक्रवर्ती सम्राट दशरथ जी के राजमहल में बड़ा स्थान में बिंदुगाद्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज के सानिध्य नौ दिवसीय श्रीराम कथा का हुआ शुभारंभ। कथा के प्रथम दिवस की बेला में व्यासपीठ से श्री राम कथा के सरस प्रवक्ता महंत डॉ रामानंद दास महाराज ने प्रभु श्री राम के नाम की महिमा और उनके चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीराम जी का चरित्र ,जीवन में संयम से प्रारंभ होता है और समाज में संयम धारण करने का संदेश देता है और प्रभु के श्री श्री राम जप से ही मनुष्य भवसागर से पार हो जाता है और प्रभु के धाम में उनकी शरणागति प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि त्याग तपस्या वैराग्य की शिक्षा लेनी है तो श्री राम कथा का श्रवण करना होगा।

कथा के शुभारंभ में स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज ने आरती उतारी और कहां कि प्रभु श्री राम की लीला श्रवण से ही मनुष्य ही नहीं चराचर ब्रह्म में विराजमान सभी लोग मुक्त हो जाते हैं और कथा उनके चित्त को निर्मल कर देती है इसलिए भगवान के जन्मोत्सव पर तो उनके लीलाओं का गुणगान अवश्य ही सभी को कथा में सुननी चाहिए जिससे उसका जीवन धन्य हो जाए। इस अवसर पर कथा श्रवण के लिए पधारे सभी संतो महंतों अतिथियों का श्री महाराज जी के कृपा पात्र शिष्य मंगल पीठाधीश्वर महंत कृपालु राम भूषण दास ने स्वागत किया। श्री राम कथा के विश्राम बेला पर रामायण जी की आरती उतारी गई और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, जगतगुरु स्वामी रत्नेशप्रपन्नाचार्य नंद कुमार मिश्रा प्रेरणा महाराज, महंत रामानी रामशरण दास सहित कई विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर नंदकुमार मिश्र पेड़ा महाराज,संत दास सहित सैकड़ों संत महंत उपस्थित रहे।

पहले दिन हुई मां के शैलपुत्री की पूजा, घरों को कलश स्थापित कर व्रत शुरू

संवाददाता—श्रावस्ती। बासंतीय नवरात्र का शुभारंभ मंगलवार से हो गया। देवी मंदिरों में सुबह से पूजा पाठ शुरू हो गया है। वहीं घरों में कलश स्थापना के साथ ही नौ दिनों तक व्रत उपवास शुरू हो गया है।

बासंतीय नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की गई। पहले दिन भिनगा के काली माता मंदिर, सर्वामाई मंदिर व समय माता मंदिर में पूजा पाठ शुरू हो गया। नौ दिनों तक चलने वाले विशेष पूजा पाठ के पहले दिन मंदिरों में भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। इसी तरह से इकौना के शीतला माता मंदिर व बेचूबाबा मोहल्ले में स्थित दुर्गा मंदिर में भी विशेष पूजा पाठ शुरू हो गयी है। मंदिरों में सुबह लोगों की भीड़ जुटी। मंगलवार को सुबह घरों में मंगल कलश स्थापित करके पूजा पाठ शुरू कर दी गई। श्रद्धालु नौ दिनों तक पूजा पाठ व व्रत उपवास करेंगे। इसके साथ ही नवमी को पूर्णाहुति करके व्रत का समापन होगा। नवरात्र में देवी मंदिरों में दुर्गा सप्तशती का पाठ, दुर्गा चालीसा पाठ व अन्य धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो गए हैं। कहीं देवी भागवत का पाठ किया जा रहा है तो कहीं पर कथा प्रवचन किया जा रहा है। पंडित संतोष पाठक ने बताया कि शैलपुत्री माता पार्वती का एक नाम है। इस दिन कठिन व्रत का संकल्प लिया जाता है। माता शैलपुत्री ने कठोर व्रत करके भगवान शंकर को प्राप्त किया था।

मां सरयू के तट पर स्थित सियाराम किला सहित नवाह पारायण से गुंजायमान हुई श्रीरामनगरी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। त्याग तपस्या और वैराग्य की नगरी अयोध्या में प्रतिदिन त्यौहार जैसा माहौल रहता है और हजारों यात्री अयोध्या में मां सरयू में स्नान और दर्शन पूजन करते हैं लेकिन प्रभु श्री राम लला के जन्मोत्सव पर इसका रंग और ही चटक दिखाई देने लगता है और जहां चौत्र नवरात्र के पहले दिन से ही अयोध्या में श्रद्धालुओं का आना निरंतर जारी है वही अयोध्या के सभी मंदिरों से सुबह से ही नवाह परायण के सस्वर पाठ से अयोध्या गुंजायमान उठी। इस अनुपम आनंद का रसपान करने के लिए देश के कोने—कोने भक्त अयोध्या पहुंच रहे है।अयोध्या के पश्चिम में मां सरयू के तट पर स्थित सिद्ध पीठ सियाराम किला झुनकी घाट के युगल सरकार की मनोहारी दृश्य अंतर्मन को मंत्रमुग्ध कर देती है और ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे युगल सरकार मां सरयू को और मां सरयू युगल सरकार को एकटक निहार रहे है ऐसी अनुपम

स्थिति अयोध्या में और कहीं दिखाई नहीं देती है जिसकी स्थापना अनंत विभूषित श्री जानकी शरण जी महाराज झुनझुनिया बाबा ने की थी और ऐसा माना जाता है कि श्री महाराज जी को युगल सरकार की अलौकिक कृपा प्राप्त थी। मंदिर परिसर में निरंतर श्री सीताराम नाम संकीर्तन गुंजायमान होता रहता है लेकिन प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव पर तो यहां की निराली अलौकिक और अद्भुत छटा देखते ही बनती है।

वर्तमान पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज ने बताया की भगवान श्री राम लला का जन्मोत्सव अयोध्या का प्रमुख उत्सव है और अयोध्या के सभी मंदिरों में यह उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि सियाराम किला झुनकी घाट में नवरात्र प्रतिपदा के प्रथम दिन से 9 दिन का उत्सव प्रारंभ हो गया है जिसमें नित्य युगल सरकार को नूतन वस्त्र धारण कराया जाता है अभिषेक और पूजा पाठ होता है और ठाकुर जी को नवाह परायण का पाठ आचार्य वैदिक विद्वानों द्वारा सुनाया जाता है चौत शुक्ल पक्ष की नवम तिथि को जिस दिन भगवान का प्रादुर्भाव अयोध्या की धरती पर हुआ था उस दिन परिसर में विशेष उत्सव मनाया जाता है 9 दिन तक बधाई गान होता है और सभी भक्तों में प्रसाद वितरण किया जाता है। भगवान के जन्मोत्सव पर 16 और 17 अप्रैल को श्री राम और श्रीमद् भागवत कथा के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रवक्ता और मंदिर के अधिकारी स्वामी श्री प्रभंजनानंद शरण महाराज की कथा भव्य जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर के संत प्रहलाद दास सहित सभी लोग जन्मोत्सव की तैयारी में जुटे हुए है।

1.17 लाख बुजुर्गो के खातों में भेजे जाएंगे 35.56 करोड़

संवाददाता—गोंडा। पेंशन के लिए इंतजार कर रहे पात्र बुजुर्गों को अब ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जल्द ही पात्रों के खाते में पेंशन की धनराशि पहुंच जाएगी। चौथी किस्त के लिए 117158 पात्रों को चिन्हित करने के बाद में रिपोर्ट भेज दी गई है। इसके तहत 35 करोड़ 56 लाख 68 हजार रुपये की धनराशि पात्रों के खाते में स्थानांतरित की जाएगी। नगरीय क्षेत्र के 1752 वृद्धावस्था पेंशनधारकों के खाते में 53.54 लाख रुपये की धनराशि ट्रांसफर करने के लिए निर्देशित किया गया है। जिले के सभी विकास खंडों के वृद्धावस्था पेंशन धारकों के खाते में जल्द ही धनराशि भेजने के लिए विभाग की तरफ से कार्रवाई तेज कर दी गई है। इस बार 117158 पात्रों के खाते में पेंशन की धनराशि भेजी जाएगी। इसमें बभनजोत के 7455 पात्रों को 2.25 करोड़ रुपये, बेलसर के 9011 पात्रों को 2.74 करोड़ रुपये, छपिया के 5855 पात्रों को 1.78 करोड़ , करनैलगंज के 9141 पात्रों को 2.7 करोड़, हलधरमऊ के 6929 पात्रों को 2.09 करोड़ रुपये पेंशन के तौर दिए जाएंगे। वहीं, इटियाथोक के 5752 पात्रों को 1.81 करोड़, झंझरी के 6870 पात्रों को 2.08 करोड़, कटरा बाजार के 9110 पात्रों को 2.77 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। मनकापुर के 6679 पेंशन धारकों को 2.01 करोड़, मुजेहना के 6218 पात्रों को 1.89 करोड़, नवाबगंज के 5975 पात्रों को 1.80 करोड़, पड़रीकृपाल के 2841 पेंशनधारकों को 8.60 करोड़, परसपुर के 9829 पेंशन धारकों को 2.97 करोड़, रुपईडीह के 8188 पात्रों को 2.47 करोड़, तरबगंज 9150 पात्रों को 2.76 करोड़, वजीरगंज के 8145 पात्रों को 2.46 करोड़ धनराशि भेजने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। नगर पंचायत के पात्रों को मिलेगी धनराशिरू नगर पालिका करनैलगंज के 387 पात्रों को 11 लाख 50 हजार रुपये, गोंडा के 742 पात्रों को 22 लाख 67 हजार रुपये, कटरा बाजार के 178 पात्रों को पांच लाख 87 हजार रुपये, खरगूपुर 151 पात्रों को 4.53 लाख रुपये, मनकापुर के 128 पात्रों को 3.84 लाख, नवाबगंज के 166 पात्रों को 5.13 लाख रुपये खाते में भेजे जाएंगे। राजेश चौधरी, जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि नियमानुसार पेंशन की धनराशि खातों में भेजी जाएगी। शासन की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचे इसके लिए बराबर प्रयास किया जा रहा है।

भारत- नेपाल सीमा पर इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर होगी कड़ी निगरानी

संवाददाता—बलरामपुर। भारत— नेपाल सीमा पर लोकसभा चुनाव और शक्तिपीठ देवीपाटन मेल को लेकर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। देवीपाटन मेले में देश—विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। डीएम ने मेले की सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए दो एसडीएम की ड्यूटी लगाई है। जिला मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों का दायित्व निर्धारित किया है। लापरवाही पर पाए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

डीएम बलरामपुर ने आज से शुरू हुये चैत्र नवरात्रि एवं शक्तिपीठ देवीपाटन मेला तुलसीपुर को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए विशेष प्रबन्ध किये गये हैं। ऐसा पहली बार है। जब संयुक्त प्रान्त मेला अधिनियम के तहत कानूनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए डीएम ने विभिन्न विभागों को सांविधिक आदेश जारी किया है। पहली बार मेले के सफल आयोजन के लिए दो एसडीएम की तैनाती शासन से की गई है। मेले में श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। इसके लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं।

मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ पुलिस बल का व्यवहार मधुर, कुशल, सौहार्दपूर्ण एवं संवेदनशील रहे इसका सांविधिक आदेश डीएम ने जारी किया है। इसके साथ मित्र देश नेपाल से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा के दृष्टिगत एसएसबी, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और अभिसूचना इकाई को पूरी सक्रियता के साथ गोपनीय सूचनाएं संकलित कर समय से उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाने के निर्देश दिए हैं। भारत— नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए वन विभाग, एसएसबी, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों तथा अभिसूचना इकाई को आदेश दिए गए हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने प्रभागीय वनाधिकारी सोहेलवा वन्यजीव प्रभाग बलरामपुर तथा राम लला मन्दिर से मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ बलरामपुर और यहां से राम लला मन्दिर अयोध्या को जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत प्रभागीय वनाधिकारी वन प्रभाग गोण्डा की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करते हुए कानूनी शक्तियों के तहत मेले में आने वाले श्रद्धालुओं पर किसी भी वन्य जीव हमला न होने पावे इसके लिए सख्त आदेश दिए हैं।

मेले में साफ—सफाई की जिम्मेदारी डीपीआरओ और ईओ तुलसीपुर का दायित्व तय किया गया है। मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए रेल विभाग को भी जिला मजिस्ट्रेट ने संयुक्त प्रान्त मेला अधिनियम के तहत आदेश जारी कर निर्देशित किया है। स्टेशन पर रेल से आने वाले श्रद्धालुओ को स्टेशन पर शौचालय, शुद्ध पेयजल तथा साफ—सफाई तथा सुरक्षित आवागमन का प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी बलरामपुर प्रतिदिन मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं आम जनमानस के आवागमन का मूल्यांकन करेंगे। बड़ी संख्या में आम श्रद्धालुओं द्वारा आवागमन के लिए ट्रैक्टर—ट्राली का प्रयोग किया जाता है। जिससे उनकी सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इसके लिए पुलिस और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को लगाया गया है।

मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची न भेजने पर डीजी खफा

संवाददाता—गोंडा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने जिले में मान्यता प्राप्त विद्यालयों की सूची न भेजने पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र जारी करते हुए 15 वर्षों से जिले में मान्यता प्राप्त विद्यालयों की सूची मांगी थी। एक माह बाद भी जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की है। पत्र के मुताबिक बीते 15 वर्षों में कुल कितने विद्यालयों को मान्यता दी गई है। मान्यता प्राप्त पोर्टलध्पत्रावली एक्सएल शीट पर कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा है। बीएसए प्रेम चंद यादव ने बताया कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा 15 वर्षों में दिए गए मान्यता प्राप्त विद्यालय की सूची मांगी।

मंगलवार को भी हड़ताल पर रहे वकील

संवाददाता—गोंडा। मुंसिफ कोर्ट के स्थानांतरण व वकीलों पर दर्ज मुकदमे के विरोध में मंगलवार को भी हड़ताल जारी रही। आंदोलनकारी वकीलों ने कलेक्ट्रेट से सिविल कोर्ट के परिसर में जूलूस निकालकर नारेबाजी करते हुए विरोध जताया और सभा की। साथ ही पूर्ववत हड़ताल जारी रखने की घोषणा की।

मंगलवार को संयुक्त संघों के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी व संगमलाल दूबे के नेतृत्व में वकीलों ने कलेक्ट्रेट से निकाला। इसके बाद जुलूस निकालकर सिविल कोर्ट पहुंचे और वहां पर जमकर नारेबाजी किया। वकीलों ने कहा यदि ग्राम न्यायालय के मुद्दे पर समाधान और उनके साथियों के विरुद्ध दर्ज मुकदमे वापस नहीं हुए तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वकीलों की हड़ताल से कामकाज ग्यारहवें दिन भी ठप रहा। वादकारियों को मायूस होकर घर वापस जाना पड़ा। इस मौके पर चन्द्र मणि तिवारी, दिनेश नारायण पाण्डेय, विनय कुमार मिश्रा,अश्वनी कुमार मिश्रा, विपिन कुमार शुक्ला, मनोज मौर्य,शेष नारायण मौर्य, हरिओम पांडेय,अजय तिवारी, गौरीशंकर चतुर्वेदी, रितेश यादव,राम बुझारथ दूबे , प्रमोद चौबे अवधेश शुक्ला आदि मौजूद रहे।

50 लाख रुपये की हेराफेरी में चौकी इंचार्ज गिरफ्तार, 44 लाख बरामद

संवाददाता–गोरखपुर। कोतवाली इलाके में वाहन चेकिंग के दौरान हवाला के धंधेबाज से 50 लाख रुपये की हेराफेरी के मामले में दरोगा आलोक सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि दरोगा के पास से 44 लाख रुपए बरामद होने के बाद मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, शाहमारूफ में दुकान चलाने वाला एक व्यापारी हवाला के धंधा से जुड़ा है। वह नेपाल बॉर्डर पर किसी को 85 लाख रुपए देने के लिए निकला था। इस दौरान जरिए मुखबिर पुलिस को सूचना मिली कि गाड़ी से 85 लाख रुपये लाया जा रहा है। इस सूचना पर बेनीगंज चौकी प्रभारी आलोक सिंह ने चेकिंग की और एक कार से रुपया बरामद भी कर लिया। लेकिन, उन्होंने इसकी सूचना न तो अपने थानेदार को दी और न ही किसी अन्य अफसर को और 50 लाख रुपये का हेराफेरी कर लिया। अफसरों तक को यह बताया गया कि 85 लाख रुपये में से 50 लाख पुलिस ने रख लिए और एनकाउंटर की धमकी देते हुए 35 लाख रुपये लौटाकर व्यापारी को भगा दिया गया। एसपी सिटी की टीम ने दरोगा आलोक सिंह और उसके एक साथी के पास से 44 लाख रुपए बरामद कर लिया। दरोगा आलोक सिंह के खिलाफ कोतवाली थाने में गबन और भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर दरोगा को गिरफ्तार कर लिया है।

गोरखपुर के कोतवाली इलाके में गाड़ियों की चेकिंग के दौरान 50 लाख रुपए की हेराफेरी के आरोप में दरोगा आलोक सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि दरोगा के पास से 44 लाख रुपए बरामद हो गए हैं। गोरखपुर पुलिस के उच्चाधिकारी सोमवार से ही इस मामले की जांच में जुटे थे। अधिकारियों को 50 लाख रुपए की हेराफेरी की आशंका थी। जानकारी के मुताबिक, शाहमारूफ में दुकान चलाने वाला एक व्यापारी हवाला के धंधा से जुड़ा है। वह नेपाल बॉर्डर पर किसी को 85 लाख रुपए देने के लिए निकला था। इस दौरान जरिए मुखबिर पुलिस को सूचना मिली कि गाड़ी से 85 लाख रुपये लाया जा रहा है। इस सूचना पर बेनीगंज चौकी प्रभारी आलोक सिंह ने चेकिंग की और एक कार से रुपया बरामद भी कर लिया। लेकिन, उन्होंने इसकी सूचना न तो अपने थानेदार को दी और न ही किसी अन्य अफसर को और 50 लाख रुपये का हेराफेरी कर लिया। अफसरों तक को यह बताया गया कि 85 लाख रुपये में से 50 लाख पुलिस ने रख लिए और एनकाउंटर की धमकी देते हुए 35 लाख रुपये लौटाकर व्यापारी को भगा दिया गया। एसपी सिटी की टीम ने दरोगा आलोक सिंह और उसके एक साथी के पास से 44 लाख रुपए बरामद कर लिया। दरोगा आलोक सिंह के खिलाफ कोतवाली थाने में गबन और भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर दरोगा को गिरफ्तार कर लिया है।

दरोगा की हेराफेरी का ये मामला गोपनीय जांच से पकड़ा गया है। 85 लाख रुपए पकड़ने और 35 लाख रुपए हड़प कर व्यवसायी को भगा देने के मामले की जानकारी होने के बाद से ही अफसरों ने दरोगा के खिलाफ गोपनीय जांच शुरू करा दी थी। इसी जांच के दौरान 24 घंटे के अंदर मामला सुलझ गया और दरोगा आलोक सिंह अपने ही जाल में फंस गया।

कंबाइन मशीन से मड़ाई करते समय लगी आग, 23 बीघा गेहूं जला

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के दुधारा थाना क्षेत्र के गांव कानपारा के पूरब स्थित सीवान में मंगलवार को कंबाइन मशीन से मड़ाई करते समय आग लग गई। आग की चपेट में आकर 23 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझने तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं पहुंच पाई। थाना दुधारा क्षेत्र के गांव कानपारा के पूरब सीवान में मंगलवार को दोपहर लगभग 12.15 बजे एक कंबाइन मशीन से मड़ाई चल रही थी। इसी बीच कंबाइन मशीन से निकली एक चिंगारी ने आग पकड़ लिया। देखते ही देखते आग तेजी से भड़क उठी। तेज हवाओं के साथ ऊंची उठ रही आग की लपटें फसल को खाक करने लगीं। ग्रामीण आग देखकर बुझाने के लिए दौड़ पड़े। फायर ब्रिगेड को सूचना दे आग बुझाने में जुट गए। जबतक आग बुझाई जाती तब तक काफी नुकसान हो गया। देखते ही देखते 12 किसानों के अरमानों पर पानी फिर गया। आग की चपेट में आने से लगभग 23 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाए जाने तक फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच पाई। मौके पर लेखपाल सत्यकांत श्रीवास्तव ने पहुंचकर नुकसान की पड़ताल शुरू कर दी है।

गांव, किसान और नौजवान को बर्बाद करना चाहती है देश की सरकार –राकेश सिंह टिकैत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जले के मगहर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह टिकैत केन्द्र सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि देश की सरकार किसान–नौजवान को बर्बाद करना चाहती है। वह भारत को लेबर कंट्री बनाना चाहती है, जिससे किसान हमेशा परेशान रहें। वे बिहार के बस्तर जिला जाते समय मगहर स्थित घनश्यामपुर में भाकियू यूपी पूर्वांचल के महासचिव पं. जनार्दन मिश्रा के आवास पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

उन्होंने कहा जहां भी किसानों के हित प्रभावित होगा भाकियू वहां के किसानों के हित में आंदोलन करेगी। बिहार के बस्तर में भूमि अधिग्रहण का उचित मुआवजा न मिलने की सूचना पर वहां जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संतकबीरनगर के किसानों की भूमि का सड़क एवं रेल मार्ग के लिए अधिग्रहण किया जा रहा है और उनको मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। अगर सरकार ने किसानों को समुचित रूप से मुआवजा नहीं दिया तो संतकबीरनगर में भी आंदोलन होगा। टिकैत ने कहा कि देश के किसानों की जमीन और उनकी फसलों पर बड़े उद्योगपतियों की नजर है। ऐसे में पूंजीपति ही इस सरकार के हितैषी हैं। उनके इशारे पर ही सारा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों की गुलाम है। इसलिए देश का किसान, नौजवान परेशान है।

इस दौरान किसान यूनियन के यूपी पूर्वांचल महासचिव पं. जनार्दन मिश्रा, पूर्वांचल अध्यक्ष अनूप कुमार चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र किसान, मुख्य सलाहकार रामचंद्र चौधरी, जिला अध्यक्ष रामसागर चौधरी, जिला महासचिव रामाशंकर यादव, राम दरस, दयाशंकर, इंद्रेश, राम सजीवन, कुतुबुद्दीन, करम हुसैन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सैकड़ों छात्रों की छुटी परीक्षा, कुलपति कार्यालय का किया घेराव

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में वार्षिक परीक्षाओं के पहले ही दिन बड़ी खामी उजागर हुई है। टाइम टेबल बदलने के कारण सैकड़ों छात्र–छात्राओं की परीक्षाएं छूट गईं। हताप्रम करीब 100 परीक्षार्थियों ने अलग से परीक्षा कराने की मांग को लेकर कुलपति कार्यालय पर प्रदर्शन किया। डीडीयू में वार्षिक, प्राइवेट, बैक पेपर, अंक सुधार आदि की परीक्षाएं 9 अप्रैल से शुरू हुई हैं। पहले दिन कुल 30 विषयों की परीक्षा थी। इसकी समय सारिणी अप्रैल के शुरुआत में ही जारी कर दी गई थी। उसके बाद छात्रों ने उसे डाउनलोड कर लिया था। टाइम टेबल के मुताबिक सुबह 7–10 और दोपहर 2–5 बजे तक परीक्षा होनी थी। बाद में टाइम टेबल बदल दिया गया। इसमें परीक्षा सुबह 8–11 बजे और दोपहर 1–4 बजे तक परीक्षाएं निर्धारित की गई थीं। इसके अलावा दोपहर की पाली में होने वाली कई परीक्षाएं सुबह की पाली में कराने का निर्णय लिया गया था। सैकड़ों परीक्षार्थियों ने पहले ही टाइम–टेबल डाउनलोड कर लिया था। उन्हें संशोधित टाइम–टेबल की जानकारी नहीं थी। एक–दो दिन पहले प्रवेश पत्र डाउनलोड किया तो उसमें भी परीक्षा की तिथि, समय और परीक्षा केंद्र का उल्लेख नहीं था। दोपहर में 1 बजे जब वे विश्वविद्यालय केन्द्र पर परीक्षा देने पहुंचे, तब पता चला कि उनकी परीक्षा पहली पाली में ही समाप्त हो गई। यह सुनकर परीक्षार्थी सन्न रह गए।

मजूदरी मांगने पर मनबढ़ युवक ने श्रमिक के पेट मे घोंपा चाकू, मुकदमा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के नगर पंचायत हरिहरपुर में सोमवार रात बकाया मजदूरी मांगना एक श्रमिक को महंगा पड़ गया। मजदूरी मांगने से नाराज मनबढ़ युवक ने उसके पेट में चाकू घोंप दिया। गंभीर हालत में उसे स्थानीय स्तर पर एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस ने घायल के मां की तहरीर पर हमलावार युवक के खिलाफ धारदार हथियार से हमला करने व धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। नामजद आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ सका है। पुलिस सरगर्मी के साथ उसकी तलाश कर रही है। क्षेत्र के नगर पंचायत हरिहरपुर निवासी पिंकू पुत्र स्व. राम वृक्ष कस्बा के ही सुखई के साथ शादी विवाह सहित अन्य कार्यों में मेहनत मजदूरी का कार्य करता था। पिंकू के परिजनों के अनुसार सोमवार रात को पिंकू ने साथी सुखई से अपने पुराने बकाए पैसे की मांग की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इसी बात से नाराज होकर सुखई ने अपना आपा खो दिया। पिंकू के ऊपर ताबड़तोड़ चाकू से हमला करने लगा। पिंकू के हाथ और सीने के निकट दो जगह चाकू लग गया। पिंकू जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। इसके बाद हमलावर युवक भाग गया। आनन–फानन में लोग उठाकर निकट के एक अस्पताल लेकर गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने जिला मुख्यालय रेफर कर दिया। इस मामले में घायल की मां मालती देवी पत्नी स्व. राम वृक्ष मोहल्ला इन्दिरानगर की तहरीर पर पुलिस ने सुखई पुत्र मदन के खिलाफ धारदार हथियार से हमला करने व धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

नवरात्र के पहले दिन घर से लेकर मंदिरों तक हुई मां शैलपुत्री की पूजा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में वासंतिक नवरात्र के पहले दिन घट स्थापना के साथ मां शैलपुत्री की पूजा हुई। कलश स्थापना के बाद लोगों ने दुर्गा सप्तशती का पाठ किया। वहीं भोर से ही मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही मां के जयकारे व घंटे–घड़ियाल की ध्वनि से मंदिर गूंजते रहे। मां के पूजन–दर्शन कर घर परिवार के लिए मंगल कामना की। नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के शैलपुत्री रूप की पूजा की गई। पर्वत राज हिमालय के यहां पुत्री के रूप में जन्म लेने के कारण भगवती को शैलपुत्री के नाम से पुकारा जाता है। मां का वाहन वृषभ है। माँ शैलपुत्री दाएं हाथ में त्रिशूल धारण किए हैं और बाएं हाथ में कमल है। ये नवदुर्गा देवियों में प्रथम दुर्गा देवी का स्वरूप है। शैलपुत्री की पूजा करने से चंद्रमा से संबंधित सभी प्रकार के दोष दूर हो जाते हैं और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। पहले दिन मंगलवार को सुबह के समय मां के भक्तों ने घर में कलश स्थापित किया। स्वास्तिक बना कर कलश को चुनरी से लपेट कर उस पर नारियल स्थापित कर मां का आह्वान किया। साथ ही अन्य देवी देवताओं का आह्वान किया। समय माता शैलपुत्री की विधिवत पूजा अर्चना के बाद सप्तशती का पाठ किया। जो लोग पढ़ नहीं सकते थे उन्होंने कथा का श्रवण किया। मान्यता है कि मां की कथा कहने और सुनने से दांपत्य जीवन सुखी रहता है। घर में समृद्धि आती है।

बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोटन कस्बे में सोमवार की रात बाइक की टक्कर से एक अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लोटन कस्बा निवासी रामनाथ(58) पुत्र दशरथ कस्बे में चाय की दुकान चलाता था। सोमवार को साप्ताहिक बाजार लगने के कारण सोमवार की रात दुकान देर से बंद किया और सोने के लिए घर जा रहा था। अभी वह दुकान से निकलकर सड़क पर पहुंचने वाला था कि एक बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिर गया और सिर में गंभीर चोट आ गई। मामले की जानकारी होने पर परिजन उसे लेकर सीएचसी गए जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ले गए जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी विजय शंकर सिंह का कहना है कि तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध असलहे के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस ने मंगलवार को कस्बे में चेकिंग के दौरान नवनिर्मित सब्जी मंडी के पास से एक युवक को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में उसकी पहचान क्षेत्र के नारायनपुर गांव निवासी अशोक पुत्र दुखहरन के रूप में हुई। उसके पास से एक कट्टा 12 बोर व एक कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक आरके पाण्डेय ने बताया कि आरोपित पर चिल्हिया व शोहरतगढ़ थाने में तीन केस दर्ज है।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक आरोपित को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी रविंद्र सिंह ने बताया कि अम्बरीश नाथ मिश्र पुत्र देवेन्द्र नाथ मिश्र निवासी कपियवा के विरुद्ध धारा 323, 325, 504, 506, 307 के तहत केस दर्ज था। तब से वह फरार चल रहा था। पुलिस ने मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

रामायण भगवान का घर

–9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ, श्रीराम कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । 'बिनु सत्संग विवेक न होई ' सत्संग में बैठकर गुरु के शरणागत होकर उनसे वह सब प्राप्त करो जो आपके जीवन को धन्य कर दे और आपका जीवन सफल हो सके। भक्ति के मार्ग में अहंकार का कोई स्थान नही है। भक्त का जिस रूप में समर्पण होगा उसे परमात्मा की छवि उसी अनुरूप दिखायी पड़ेगी। जीवन के जो चारो घाट और दिशायें हैं उसमें श्रीराम कथा की मानस गंगा प्रवाहित है। ज्ञान गंगा, भक्ति और उपासना की त्रिवेणी गंगा, यमुना, सरस्वती हमारे मानस को नवीन दृष्टि देती हैं। यह सद् विचार कथा व्यास रूद्रनाथ मिश्र ने श्रीराम जानकी मंदिर निपनिया चौराहा में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त दसकोलवा में आयोजित 9 दिवसीय श्री शिव शक्ति महायज्ञ और श्रीराम कथा में व्यक्त किया।

महात्मा जी ने कहा कि रामायण भगवान का घर है। कथा की सार्थकर्ता है कि जीव की व्यथा दूर हो। मानस में संसार का ऐसा कोई प्रश्न नही जिसका समुचित उत्तर निहित न हो। प्रयागराज और नदियों की महिमा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि श्रीराम कथा से जीव सुधरता है और कुविचार के स्थान पर सुविचार का जन्म होता है। समय, सम्पत्ति और शक्ति का जो सदुपयोग करे वह देवता और दुरुपयोग करने वाला दैत्य है।

ब्रम्हलीन बाबा महादेव दास की स्मृति में आयोजित 9 दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान में मुख्य रूप से प्रभात शास्त्री, आशुतोष दास, आदित्यदास, नीरज दास, ऋतिक दास, ओम नरायन, संगम शुक्ल, मुख्य यजमानगण दयाशंकर, राजकुमारी, नागेन्द्र मिश्र , राम सोहरत, शान्ती देवी, कौशल कुमार, कुसुम, सुनील पाण्डेय, मीरा देवी, सुल्ताना बाबा, सरोज मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल रहे।

नवरात्रि के प्रथम दिन मां काली मंदिर में उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन भागवत मार्केट के पीछे रामेश्वरपुरी स्थित मां काली मंदिर में विधि विधान से मां दुर्गा की प्रथम शक्ति मां शैल पुत्री की विधि विधान से पूजा की गई। पुजारी राज प्रकाश ने कलश स्थापना के साथ पूजन कराया।

इस अवसर पर रामशंकर, राहुल, चंदन, गीता, रीता, रिक्की, गिरजेश के साथ ही अनेक श्रद्धालुओं ने मां शैल पुत्री और मंदिर में स्थित अन्य देवी देवताओं का पूजन अर्चन किया। पुजारी राज प्रकाश ने बताया कि मंदिर में स्थित मां काली श्रद्धालु भक्तों की सभी मनोकामनायें पूरा करती है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 452/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती शान्ती देवी
बनाम
रामजी आदि

1. रामजी उम्र 30 वर्ष पुत्र स्वर्गीय श्याम बिहारी 2. श्रीमती फूलमती उम्र 70 वर्ष पत्नी स्वर्गीय श्याम बिहारी निवासीगण ग्राम नगर खास तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 11–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इनजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 455/2017
न्यायालय–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
संतोष यादव आदि
बनाम
साधव लाल आदि

1. साधव लाल पुत्र रामबरन 2. श्रीमती सीतापती पत्नी साधवलाल साकिनान मिश्रौलिया वार्ड नं0–1 तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 3. बल्लू यादव पुत्र अलगू ग्राम गोनहा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम मु0 मिश्रौलिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इनजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम रमेश कुमार पुत्र धर्मराज है। मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम RAMESH KUMAR की जगह RAMENSH KUMAR हो गया है, जबकि मेरे आधार कार्ड सहित अन्य अभिलेखों में मेरा नाम RAMESH KUMAR है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

(रमेश कुमार पुत्र धर्मराज)
साकिन– नगर बाजार,
पोस्ट– नगर बाजार
जनपद– बस्ती (उ. प्र.) 272302

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 106/2013
आनन्द उ0मा0विद्यालय बेलहरा
बनाम
रामबेलास आदि

गंगाराम पुत्र नेबूलाल साकिन मौजा बेलहरा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–05–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 106/2013
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
आनन्द उ0मा0विद्यालय बेलहरा
बनाम
रामबेलास आदि

1. रामवेलास पुत्र रामसमुझ 2. ब्रहमादीन पुत्र शेर बहादुर 3. रामललित पुत्र रामसमुझ 4. अभिमन्यु पुत्र राम समुझ 6. प्रेम पुत्र नेबूलाल साकिनान मौजा बेलहरा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इनजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 75/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
शब्बीर अली
बनाम
उमेश चन्द्र आदि

1. उमेश चन्द्र उम्र लगभग 50 वर्ष 2. रमेश चन्द्र उम्र लगभग 47 वर्ष 3. सुरेश चन्द्र उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्रगण श्रीकान्त पाण्डेय 4. श्रीमती स्वर्णावती उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी स्व0 द्विजेश कुमार 5. अनुज उम्र लगभग 13 वर्ष नावालिग पुत्र द्विजेश कुमार जरिए संरक्षिका श्रीमती स्वर्णावती पत्नी द्विजेश कुमार माता हकीकी 6. जानहवी उम्र लगभग 10 वर्ष नावालिग पुत्री द्विजेश कुमार जरिए संरक्षिका श्रीमती स्वर्णावती पत्नी द्विजेश कुमार माता हकीकी निवासीगण ग्राम भुवनी तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती पोस्ट महसो

तारीख पेशी 18–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इनजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com